

- जैसे: i जैसे: यह गाता है वैसे ही वह भी गाता है।
 ii ज्यों ज्यों बूढ़े श्याम रंग त्यों त्यों उज्जलु होय।
 iii कृपया यहाँ बैठिए।
 v उसने बड़ी चुस्ती से यह काम किया।
- (v) मात्रा सूचक- बहुत, थोड़ा, अत्यंत, कुछ, इतना, उतना, जितना, कितना
- जैसे: i कहते हैं, मिर्जा गालिब बहुत पीते थे।
 ii थोड़ा बोला करो।
 iii तुम उतना दौड़ो जितना हो सके।
 v कुछ लिखना-पढ़ना चलता रहता है।

2.2 समुच्चय बोधक (Conjunctions)

वह अव्यय जो दो शब्दों, पदों, उपवाक्यों आदि को आपस में जोड़ता या मिलाता हो। इसे योजक भी कहते हैं।

जैसे: और, व, तथा, अथवा, या, कि, एवं, न, नहीं, क्योंकि, इसलिए, अतः, अतएव, ताकि, जिससे, परंतु, किंतु, लेकिन, अपितु, बल्कि, तो, यद्यपि, तथापि, अर्थात्, मानो, जैसे आदि।

- उदा. i वह घर गया और माँ से मिलकर आ गया।
 ii तुम अब नवमी कक्षा में संस्कृत अथवा फ्रेंच पढ़ सकते हो।
 iii वह मित्र है तथापि विश्वसनीय नहीं है।
 v वह स्कूल नहीं बल्कि उद्यान गया था।
 v मैं वहाँ नहीं था, वरना उसकी इतनी हिम्मत नहीं होती।

2.3 संबंध बोधक (Post-positions)

वे पद जो किसी शब्द के साथ परसर्ग के रूप में जुड़कर वाक्य में प्रयुक्त होते हैं।

- (i) स्थान सूचक- में, के आगे, के पीछे, के पहले, के पास, के ऊपर, के नीचे, के बाहर, के भीतर, के बीच, से दूर, से आगे, के यहाँ आदि।

- जैसे: i वृक्ष के ऊपर पक्षी बैठे हैं।
 ii सबसे आगे रवि चल रहा है।